श्री शत्रुंजय - मुक्ति सम्यग्ज्ञान अभ्यासक्रम

द्वितीय वर्ष - अभ्यास - २

जुलाई २०२१

गुणांक - १००

प्रश्न - पत्र

सूचना : १. नाम और एनरोलमेंट नंबर बिना का पेपर रद्द किया जायेगा । २. लाल स्याही के पेन का उपयोग न करें । ३. समझ में न आये ऐसे अक्षरों वाले जवाब पत्र जांचे नहीं जायेंगे । ४. जवाब पत्र में ही योग्य खाने में जवाब लिखना है, साथ में दूसरा पेपर जोडना नहीं है, जोडने पर तीन मार्क्स काट लिये जायेंगे । ५. जवाब पत्र हर महिने की ता. २५ तक भेजना जरुरी है, आगे-पीछे आए पेपर जांचे नही जायेंगे । ६. सभी जवाब अभ्यासक्रम के आधार पर ही लिखना है । ७. जिस महिने का प्रश्न पत्र है, उसके बाद के महिने की २५ ता. को आपके मार्क्स तथा सही उत्तर इन्टरनेट पर दे दिये जायेंगें, उसके बाद आए हुये उत्तर पत्र स्वीकृत नहीं होंगे तथा फोन पर जवाब नहीं दिया जायेगा । ८. उत्तर पत्र में अभ्यासक्रम का नंबर लिखना जरुरी है ।

प्रश्न नं. १ रिक्त स्थान की पूर्ति करो - २०

१. ज्ञान और दर्शन का जो उपयोग ..... कहलाता है ।
२. श्रावक..... रात्रि शेष हो तब नवकारमंत्र का स्मरण करते हुए जागृत हो ।
३. जहाँ दृष्टिवाद में समान पाठ या आलापक बार बार आते हैं वे..... कहलाते हैं ।
४. हे अजितनाथ भगवान तुम्हारे नाम का कीर्तन..... का प्रवर्तन करने वाला है ।
५. मन और चक्षु के विषय अप्राप्यकारी होने से उनका..... नहीं होता ।
६. लंबी आयु, पांच इन्द्रियों की पूर्णता, काया की निरोगता, तथा शाताकारी जीवन यह..... जीवन की उपलब्धि है ।
७. दूसरा सुन न सके ऐसा सूक्ष्म जाप..... कहलाता है ।
८. जंबुद्वीप के अधिष्ठायक देव का नाम..... है ।
९. शांब और प्रद्युम्न कुमार फागुन सुदि तेरस को..... नाम के शिखर पर सिद्ध पद पाये ।
१०. अपने पर आश्रित मनुष्यों तथ पशुओं को समय अनुसार खुराक पानी न दिया हो तो ..... अतिचार लगता है ।
११. नवकार मंत्र का अेक अक्षर..... का पाप दूर करता है ।
१२. ज्ञानावरणीय और दर्शनावरणीय कर्मो के उदय में जीव..... का वेदन करता है ।
१३. गौतम स्वामी..... आयुष्य वाले थे ।
१४. ..... धर्म की पराकाष्ठा से ही मोक्ष की मंजिल मिलती है ।
१५. ..... उसे संसार के भौतिक सुखो की और से वैरागी और उदासीन बनाती है ।
१६. हरिवर्ष क्षेत्र और महाविदेह क्षेत्र के बीच..... पर्वत आया हुआ है ।
१७. साधु की अपेक्षा से श्रावक के अणु याने छोटे व्रत उन्हें..... कहा जाता है ।
१८. मर्यादा में रहे रुपी पदार्थो को जानना वह..... है ।
१९. जाप शब्द का "प" ..... करने वाला है ।
२०. सद्गति के इच्छुक साधक हिंसा से सदा..... रहते हैं ।

प्रश्न नं. २ एक शब्द में जवाब लिखो - १५

१. पानी में रहे हुए पोरा कितनी इन्द्रिय वाले हैं ?
२. श्री "अजितशांति स्तव" के रचयिता कौन है ?
३. जहाँ मात्र वर्तमान काल का ही विचार है, आगे पीछे का विचार नहीं वह कौनसी संज्ञा है ?
४. मैंने स्वप्न में मंदिर ही देखा ऐसा निश्चय होना ज्ञान का कौनसा भेद है ?
५. श्री गौतम स्वामी ने आजीवन कौन सा तप किया ?
६. नवकार मंत्र का स्मरण परलोक में सुख के साथ क्या देता हैं ?
७. शब्द सुनकर अथवा लिखे अक्षर पढकर हृदय में होता अर्थबोध क्या कहलाता है ?
८. चौसठ खंड किस क्षेत्र के है ?
९. इन्द्रभूति ने स्वयं के यश के रक्षण के लिये किसकी प्रार्थना की ?
१०. मंत्र जाप करने वाले व्यक्ति का लक्ष्य किसका होना चाहिये ?
११. स्थविर आचार्यो द्वारा रचित श्रुत को क्या कहते है ?
१२. कुत्ते, गाय वगैरह जीवों को बांध कर रखने से कौनसा अतिचार लगता है ?
१३. वाचिक जाप का दूसरा नाम क्या हैं ?
१४. किनके सर्व रोग तथा पाप निवृत हो गये हैं ?
१५. सिंहलद्वीप की राजकुमारी ने कौनसा जिनालय बंधवाया ?

प्रश्न नं. ३ नीचे दिये गये शब्दों के अर्थ लिखो - १०

१. थिई २) पमाणं ३) सुअ ४) हरिवासे ५) निरुवम ६) परिही ७) तेसट्ठि ८) गय ९) निसढे १०) तत्थ ११) सया १२) बीयपासेवि १३. वंजण-वग्गह १४) मइ १५) विउल १६) अहवा १७) कितणं १८) साइ-१९) अत्थुग्गह २०) णउअसयं

प्रश्न नं. ४ जोडियाँ लगाओ (सिर्फ 'B' के नंबर लिखो) - १०

A	B	A	B
१) त्रिपदी	१) मन	६) नीलवंत	६) श्री अजितनाथ भगवान
२) भूत-पिशाच दूर हो	२) अनक्षरश्रुत	७) भयविजेता	७) जन्म पापविनाश
३) व्यंजनावग्रह	३) श्री शांतिनाथ भ.	८) नवकार	८) द्वादशांगी रचना
४) जप	४) शिवकुमार	९) धीरजबुद्धि प्रवर्तक	९) निषध
५) आंख का इशारा	५) शंखावर्त	१०) अर्थावग्रह	१०) श्रोतेन्द्रिय

प्रश्न नं. ५ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संख्या में लिखो - १०

१. गौतम स्वामी का आयुष्य कितने वर्ष का था ?
२. साधु की जीवदया कितने विश्व की होती है ?
३. महाजंबुवृक्ष के तीसरे वलय में कितने जंबुवृक्ष हैं ?
४. श्री नंदिसूत्र के आधार से मतिज्ञान के भेद कितने ?
५. कितने नवकार गिनने वाला साधक तीसरे भव में मोक्ष पद प्राप्त करता है ?
६. प्राणातिपात विरमण व्रत में सहायक नियम कितने हैं ?
७. भरतक्षेत्र की चौडाई कितने योजन है ?
८. श्रावक सूर्योदय से कितने मिनिट पहले जागृत हो ?
९. सिद्धाचलजी के कितने खमासमण है ?
१०. इहा के कुल भेद कितने है ?

प्रश्न नं. ६ नीचे के वाक्य सही (✓) हैं या गलत (×) बताओ - १०

१. दया धर्म का मूल है, इसलिये सद्गति के इच्छुक साधक हिंसा से दूर भागते हैं ।
२. छः गाउ की यात्रा के मार्ग में शांब, प्रद्युम्न की देरीयों के पास अजित शांति स्तव की रचना हुई है ।
३. बराबर खा पीकर जाप करने बैठे तो एकाग्रता अच्छी आती है ।
४. साधु ने तो नौ प्रकार के परिग्रह का परिमाण करके रखा हुआ होता है, इसीलिये उसे महाव्रत कहते हैं ।
५. "यह साँप है या रस्सी " ऐसी विचारणा वह स्पर्शेन्द्रिय अपाय है ।
६. भंवरा चउरेन्द्रिय जीव है ।
७. दीक्षा ली तब गौतम स्वामी महावीर स्वामी से २० साल बडे थे ।
८. सबेरे यथा समय जागने वालों की बुद्धि ऋद्धि और आयुष्य की हानि होती है ।
९. भरत ऐरावत क्षेत्र में श्रुत का प्रारम्भ भी है अंत भी है ।
१०. हे अजितनाथ भगवान आपके नाम का कीर्तन उपद्रवनाशक और दुःख नाशक है ।

प्रश्न नं. ७ नीचे के वाक्य किस पृष्ठ पर है वह पृष्ठ नंबर लिखो - १०

१. पुष्प में सुगंध और चन्द्र में जैसे अमृत रहा हुआ है, वैसे शरीर में आत्मा रही हुई है ।
२. मैं जबरदस्ती से किसी के पास से काम कराऊंगा नहीं ।
३. जहाँ शरीरादि की प्राप्ति हो वहाँ अवश्य उच्च कुल या तुच्छ कुल की प्राप्ति होती है ।
४. जगत के गुरु और शांति तथा ज्ञानादि गुणों के कर्ता इन दोनो जिनेश्वरों को मैं प्रणाम करता हूं ।
५. मिथ्यादृष्टि के पास रहा श्रुत वह मिथ्या श्रुत कहलाता है ।
६. सूर्य को सभी पहचाने उसमें आश्चर्य क्या ?
७. आराधना में सुस्त और संसार में मस्त बनते हैं, जिससे दुःख में त्रस्त बनने का समय आता है ।
८. भव्य जीवों के एकमेव कल्याण के लिये धर्मतीर्थ की स्थापना करते हैं ।
९. नवकारमंत्र तेरा रक्षण करेगा ।
१०. यह वृक्ष है या कोई मनुष्य ?

प्रश्न नं. ८ अपनी भाषा में समझाओ - १५

१. इहा और अपाय में क्या फर्क है । २) गौतम स्वामी की लब्धियों का संक्षिप्त वर्णन करो ।
३. भरत क्षेत्र के साथ जुडे हुए प्रदेश में कितने खंड है ? कौन कौन से ? ४) तुम्हारे जीवन में नवकार महामंत्र की साधना कैसी है ? बताओ । ५) प्राणातिपात विरमण व्रत के अतिचार समझाओ ।

उत्तर पत्र नीचे लिखे पते पर भेजिए :
शत्रुंजय अेकेडमी श्री पद्मप्रभस्वामी जैन मंदिर, स्टेशन रोड, चालिसगाँव - ४२४१०१ जिल्हा : जलगांव,
मो. ९०२८२४२४८४. सही परिणाम और सही जवाब के लिये वेब साईट www.shatrunjayacademy.com